प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 31 जुलाई, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष गंगवार आज भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित एम्स, देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह में भाग लेने हेतु रेल मार्ग से प्रातः देवघर पहुँचे।

राज्यपाल महोदय के देवघर रेलवे स्टेशन पहुँचने पर उपायुक्त श्री नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक श्री अजित पीटर डुंगडुंग एवं रेलवे के वरीय अधिकारियों ने स्वागत किया।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बाबा बैद्यनाथधाम एयरपोर्ट, देवघर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आगमन पर उनका स्वागत किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि श्रावणी माह की इस पुण्य बेला में राष्ट्रपति महोदया का देवघर आगमन सम्पूर्ण राज्यवासियों के लिए हर्ष का विषय है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवघर केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष की आस्था का प्रमुख केंद्र है। श्रावण मास के दौरान विशेष रूप से देश के कोने-कोने से लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक हेतु आते हैं।

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित एम्स, देवघर के प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति महोदया का देवघर में स्वागत करते हुए कहा कि श्रावणी मास की इस पुण्य बेला में बाबानगरी देवघर में उनका आगमन सम्पूर्ण राज्यवासियों के लिए हर्ष एवं उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि देवघर केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतवर्ष की आस्था का प्रमुख केंद्र है। राष्ट्रपति महोदया का आगमन इस अवसर को और भी ऐतिहासिक तथा स्मरणीय बना देता है।

राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया के झारखंड के राज्यपाल के रूप में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सादगी, मृदु स्वभाव एवं जनसरोकारों के प्रति समर्पण ने उन्हें झारखंडवासियों के हृदय में विशिष्ट स्थान दिलाया है। उन्होंने राष्ट्रपति महोदया को देश की लाखों बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक नई सामाजिक जिम्मेदारी के आरंभ का क्षण है। उन्होंने नवस्नातकों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि चिकित्सा का मार्ग मात्र एक करियर

का चयन नहीं है, बल्कि संवेदना, सेवा और नैतिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने एम्स, देवघर की स्थापना के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी का विशेष आभार प्रकट किया और कहा कि यह संस्थान न केवल झारखंड, बल्कि बिहार और बंगाल जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए भी स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन चुका है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री जी के "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" की भावना से जुड़ा हुआ कदम बताया।

राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने श्वेत कोट को केवल वर्दी न समझें, बल्कि उसे विश्वास, करुणा और सेवा का प्रतीक मानें। हर रोगी केवल बीमारी ही नहीं, बल्कि अपनी उम्मीदें और बीमारियों के प्रति भय भी लेकर चिकित्सक के पास आता है, इसलिए उनके साथ संवेदनशीलता और सम्मान का व्यवहार ही चिकित्सा व्यवस्था की आत्मा है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड में उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में और अधिक कार्य किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्य भ्रमण के दौरान लोगों से संवाद एवं योजनाओं के प्रचार-प्रसार का अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका प्रयास यही है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि

"ज्ञान की प्राप्ति तभी सार्थक है जब उसका उपयोग जनकल्याण के लिए हो।" उन्होंने उपाधिधारकों से 'विकसित भारत 2047' के निर्माण में भागीदारी का आह्वान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं।

(4) भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के राज भवन, राँची आगमन पर माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने उनका हार्दिक स्वागत किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपके आगमन से संपूर्ण राज भवन परिवार हर्ष एवं उत्साह से अभिभूत है।

इसके पश्चात राज्यपाल महोदय ने राष्ट्रपति महोदया से सौजन्य भेंट के क्रम में विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय ने उक्त अवसर पर माननीया राष्ट्रपति महोदया को राज भवन, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित 'राज भवन पत्रिका' (फरवरी, 2025-जुलाई,2025) की प्रथम प्रति भेंट की। इस पत्रिका के प्रधान संपादक राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी हैं।

उल्लेखनीय है कि आज ही के दिन राज्यपाल महोदय का झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण हुआ।

पत्रिका का यह अंक राज भवन की गतिविधियों, पहलों एवं प्रयासों का संकलन है। राज भवन पत्रिका राज्यपाल महोदय की जनता के प्रति संवेदनशीलता, उच्च शिक्षा में सुधार हेतु प्रतिबद्धता और जन-कल्याण की दिशा में निरंतर प्रयासों की झलक प्रस्तुत करती है। उन्होंने राज भवन को 'आमजन के हितों के रक्षक' के रूप में

प्रतिष्ठित किया है तथा राज भवन जन संवाद, समाधान और सेवा का केंद्र बनाने की दिशा में सक्रिय रहते हैं।

राज्यपाल महोदय ने इस अवसर पर माननीया राष्ट्रपति महोदया को एक स्मृति-चिह्न भी भेंट किया।